



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 10]

नई दिल्ली, मंगलवार, जनवरी 6, 2009/पौष 16, 1930

No. 10]

NEW DELHI, TUESDAY, JANUARY 6, 2009/PAUSA 16, 1930

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 6 जनवरी, 2009

सं. 04/2009-सीमाशुल्क

सा.का.नि. 14(अ).— अभिहित प्राधिकारी ने सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची के शीर्ष 7005 के अंतर्गत आने वाले चीन जनवादी गणराज्य (चाइना पीआर) और इंडोनेशिया (जिनको इसके पश्चात संबद्ध देश कहा गया है) में मूलतः उदगमित या वहां से निर्यात किये गए, 2 एमएम से 12 एमएम तक की मोटाई (दोनों शामिल) के स्वच्छ और रंगीन किस्म (हरे ग्लास को छोड़कर) फ्लोट ग्लास जिसमें सजावटी, औद्योगिक अथवा ऑटोमोटिव प्रयोजनों के लिए संसाधित ग्लास शामिल नहीं है (जिसे इसके पश्चात संबद्ध माल कहा गया है), पर भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) अधिसूचना सं. 165/2003-सीमाशुल्क, तारीख 12 नवम्बर, 2003, जो भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उपखंड (i) में सा०का०नि० 887 (अ), तारीख 12 नवम्बर, 2003 के द्वारा प्रकाशित हुई थी, के द्वारा अधिरोपित प्रतिपाटन शुल्क के जारी रहने के संबंध में भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग 1, खंड 1, तारीख 13 दिसम्बर, 2007 में प्रकाशित अधिसूचना सं. 15/1/2007-डीजीएडी, 13 दिसम्बर, 2007 द्वारा निर्णायक समीक्षा प्रारंभ की थी;

और जबकि केन्द्रीय सरकार ने, संबद्ध देशों से मूलतः उदगमित या वहां से निर्यात किये गए संबद्ध माल पर भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) अधिसूचना सं. 4/2008-सीमाशुल्क, तारीख 4 जनवरी, 2008, जो भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उपखंड (i) में सा०का०नि० 12(अ), तारीख 4 जनवरी, 2008 के द्वारा प्रकाशित हुई थी, के द्वारा अधिरोपित प्रतिपाटन शुल्क की अवधि 6 जनवरी, 2009, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, तक बढ़ा दी थी;

और जबकि अभिहित प्राधिकारी, संबद्ध देशों से उदगमित या वहां से निर्यात किए गए संबद्ध माल पर प्रतिपाटन शुल्क लगाने के संबंध में अपने अंतिम निष्कर्ष अधिसूचना सं० 15/1/2007-डीजीएडी, तारीख 2 दिसम्बर, 2008, जो कि भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग 1, खंड 1, तारीख 2 दिसम्बर, 2008 में प्रकाशित हुई, के द्वारा इस निर्णय पर पहुंचे हैं कि—

- (क) भारतीय बाजार में संबद्ध माल पाटित कीमतों पर आ रही है और चाइना पीआर से आयातित संबद्ध माल का पाटन मार्जिन अत्यधिक और न्यूनतम सीमा से अधिक है;
- (ख) संबद्ध माल की पाटित कीमतों पर भारतीय बाजार में आने की संभावना है और चाइना पीआर तथा इंडोनेशिया से आयातों के संबंध में संभावित पाटन मार्जिन अत्यधिक तथा न्यूनतम सीमा से अधिक है;

- (ग) वर्तमान उपाय समाप्त किए जाने की स्थिति में संबद्ध माल की पाटित कीमतों पर भारतीय बाजार में आने की संभावना है;
- (घ) यद्यपि घरेलू उद्योग ने जांच अवधि के दौरान अपने निष्पादन में सुधार किया है तथापि संबद्ध देशों से संबद्ध माल पर मौजूदा पाटनरोधी उपाय समाप्त किए जाने से घरेलू उद्योग को भारी क्षति होने वाली है। इसके अलावा, यदि वर्तमान पाटनरोधी शुल्क समाप्त कर दिया जाता है तो घरेलू उद्योग को क्षति में वृद्धि होने की संभावना है;

और घरेलू उद्योग से क्षति लोप करने के लिए संबद्ध देशों से उदगमित या वहां से निर्यात किए गए संबद्ध माल पर प्रतिपाटन शुल्क जारी रखने की सिफारिश की है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उस पर प्रतिपाटित शुल्क का निर्धारण और संग्रहण तथा क्षति का अवधारण) नियम, 1995 के नियम 18 और 23 के साथ पाटित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 9क की उपधारा (1) और (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अभिहित प्राधिकारी के पूर्वोक्त निष्कर्षों को ध्यान में रखते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 165/2003-सीमाशुल्क, तारीख 12 नवम्बर, 2003 को उन बातों के सिवाय अधिक्रांत करते हुए जो ऐसे अधिक्रांत से पूर्व की गई है या करने से लोप की गई है, सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची के शीर्ष 7005 के अंतर्गत आने वाले संबद्ध माल का भारत में आयात होने पर इतनी राशि का प्रतिपाटन शुल्क अधिरोपित करती है, जो कि समतुल्य है, -

- (क) अमरीकी डालर 133 प्रति मीट्रिक टन यदि आयातित संबद्ध माल चाइना पीआर में मूलतः उदगमित या वहां से निर्यातित हो;
- (ख) अमरीकी डालर 81.21 प्रति मीट्रिक टन यदि संबद्ध माल का आयात इंडोनेशिया से हो, सिवाय इसके कि पीटी मूलिया ग्लास इंडोनेशिया (निर्यातक) से आयात पर प्रतिपाटन शुल्क अमरीकी डालर 71.16 प्रति मीट्रिक टन की समतुल्य राशि की दर पर लगेगा।

2. इस अधिसूचना के अधीन अधिरोपित प्रतिपाटन शुल्क भारत के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से पांच वर्ष के लिए (यदि उसका खंडन, अधिक्रांत और संशोधन न किया जाये) प्रभावी होगा और भारतीय करेंसी में संदेय होगा।

स्पष्टीकरण.- इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए प्रतिपाटन शुल्क की संगणना के प्रयोजनों के लिए लागू "विनिमय दर" वह दर होगी जो सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 14 की स्पष्टीकरण की खंड (क) के उपखंड (i) के अधीन शक्तियों का प्रयोग करते हुए, समय-समय पर जारी की गई भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना में विनिर्दिष्ट की गई है और विनिमय दर के अवधारण के लिए सुसंगत तारीख उक्त सीमाशुल्क अधिनियम की धारा 46 के अधीन प्रवेश पत्र के प्रस्तुत करने की तारीख होगी।

[फा. सं. 354/211/2002-टीआरयू (पार्ट I)]

उन्मेष शरद वाघ, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 6th January, 2009

No. 04/2009-Customs

G.S.R. 14(E).—Whereas, the Designated Authority, vide its Notification No. 15/1/2007-DGAD, dated the 13th December, 2007, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part I, Section 1, dated the 13th December, 2007 had initiated a sunset review in the matter of continuation of anti-dumping on imports of Float Glass of thickness 2 mm to 12 mm (both inclusive) of clear as well as tinted variety (other than green glass) but not including processed glass meant for decorative, industrial or automotive purposes (hereinafter referred to as the subject goods), falling under heading 7005 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), originating in, or exported from, the Peoples' Republic of China (in short 'China PR') and Indonesia (hereinafter referred to as the subject countries), and imported into India

imposed *vide* notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 165/2003-Customs, dated the 12th November, 2003 published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i) *vide* G.S.R. No. 887(E) of the same date;

And whereas, the Central Government has extended the anti-dumping duty on the subject goods, originating in, or exported from, the subject countries *vide* notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 4/2008-Customs, dated the 4th January, 2008, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i) *vide* G.S.R. No.12(E) of the same date, up to and inclusive of the 6th January, 2009;

And whereas, in the matter of sunset review of anti-dumping on import of the subject goods, originating in, or exported from the subject countries, the Designated Authority *vide* its final findings No. 15/1/2007-DGAD, dated the 2nd December, 2008, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part I, Section 1, dated the 2nd December, 2008 has come to the conclusion that –

- (i) The subject goods are entering the Indian market at dumped prices and dumping margins of the subject goods imported from China PR are substantial and above de-minimis;
- (ii) The subject goods are likely to enter the Indian market at dumped prices and the likely dumping margins in respect of imports from China PR and Indonesia is substantial and above de-minimis;
- (iii) The subject goods are likely to enter Indian market at dumped prices, should the present measures be withdrawn;
- (iv) Even though the domestic industry has improved its performance during the POI, the withdrawal of the existing anti-dumping measure on subject goods from subject countries is going to cause a substantial injury to the domestic industry. Further, should the present anti dumping duties be revoked, injury to the domestic industry is likely to intensify;

and has recommended continued imposition of the anti-dumping duty on the subject goods originating in, or exported from, the subject countries in order to remove injury to the domestic industry;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (1) and (5) of section 9A of the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975) read with rules 18 and 23 of the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No.165/2003-Customs, dated the 12th November, 2003, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the Central Government, after considering the aforesaid findings of the Designated Authority, hereby imposes an anti-dumping duty on the imports into India of subject goods falling under Heading 7005 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975) at an amount, which is equal to,-

- (a) US\$ 133 per metric tonne in case of imports of subject goods originating in, or exported from, China PR; and
- (b) US\$ 81.21 per metric tonne in case of imports of subject goods from Indonesia, except that in respect of imports from PT Mulia Glass, Indonesia (exporter), the anti-dumping duty shall be levied at an amount which is equal to US\$ 71.16 per metric tonne.

2. The anti-dumping duty imposed under this notification shall be effective for a period of five years (unless revoked, superseded or amended earlier) from the date of publication of this notification in the Official Gazette and shall be paid in Indian currency.

Explanation. - For the purpose of this notification, rate of exchange applicable for the purposes of calculation of the anti-dumping duty under this notification shall be the exchange rate specified in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) issued from time to time, in exercise of powers conferred under sub-clause (i) of clause (a) of Explanation to section 14 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962) and the relevant date for determination of the rate of exchange shall be the date of presentation of the "bill of entry" under section 46 of the said Customs Act.

[F. No. 354/211/2002-TRU (Pt.-I)]

UNMESH SHARAD WAGH, Under Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 6 जनवरी, 2009

सं. 05/2009-सीमाशुल्क

सा.का.नि. 15(अ).—अभिहित प्राधिकारी ने, चीन जनवादी गणराज्य (जिसे इसमें इसके पश्चात संबद्ध देश भी कहा गया है) में मूलतः उदगमित या वहां से निर्यातित 2ए ग्रेड और उससे कम के शहसूत्री कच्चे रेशम (बटा न गया) जो कि सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 (1975 का 51) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम भी कहा गया है) की पहली अनुसूची के टैरिफ मद 5002 00 10 के अंतर्गत आते हैं, जिस पर भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 106/2003-सीमाशुल्क तारीख 10 जुलाई, 2003, जो भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उपखंड (i) में सा०का०नि० 537 (अ) तारीख 10 जुलाई, 2003 के द्वारा प्रकाशित की गई थी, के तहत प्रतिपाटन शुल्क अधिरोपित किया था, के आयात के मामले में अधिसूचना सं० 15/12/2007-डीजीएडी, तारीख 14 दिसम्बर, 2007, जो भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग I, खंड 1 में तारीख 14 दिसम्बर, 2007, के द्वारा प्रकाशित की गई थी, के तहत प्रतिपाटन शुल्क जारी रखने के मामले में उक्त अधिनियम की धारा 9क की उपधारा (5) तथा सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उस पर प्रतिपाटित शुल्क का निर्धारण और संग्रहण तथा क्षति का अवधारण) नियम, 1995 (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त नियम भी कहा गया है) के नियम 23 के तहत, समीक्षा आरंभ की थी;

और केन्द्रीय सरकार ने, संबद्ध देशों से निर्यात, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) अधिसूचना सं० 0/2008 सीमाशुल्क, तारीख 1 जनवरी, 2008, जो कि भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उपखंड (i) में सा०का०नि० 4 (अ), तारीख 1 जनवरी, 2008 के द्वारा प्रकाशित हुई थी के द्वारा संबद्ध माल पर अधिरोपित प्रतिपाटन शुल्क की अवधि 1 जनवरी, 2009 तक बढ़ाई थी, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है;

और जबकि अभिहित प्राधिकारी संबद्ध देशों से उदगमित या वहां से निर्यातित संबद्ध माल पर प्रतिपाटन शुल्क समीक्षा के संबंध में, अंतिम जांच परिणाम अधिसूचना सं० 15/12/2007-डीजीएडी, तारीख 11 दिसम्बर, 2008, जो कि भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग 1, खंड 1, तारीख 11 दिसम्बर, 2008 में प्रकाशित हुई है, द्वारा इस निर्णय पर पहुंचे हैं कि-

- (क) संबद्ध देश के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु का भारत को निर्यात उसके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है जिसके परिणामस्वरूप पाटन हुआ है; और
- (ख) संबद्ध देश की संबद्ध वस्तु पाअनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में वीन.जन.गण. से पाटन जारी रहने की संभावना है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति जारी रहेगी या उसकी पुनरावृत्ति होगी;

और अभिहित प्राधिकारी ने, घरेलू उद्योग की क्षति दूर करने हेतु, विषयगत देश में मूल रूप से उदगमित या वहां से निर्यातित संबद्ध माल पर निश्चयात्मक प्रतिपाटन शुल्क जारी रखने की सिफारिश की है।

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त नियम के नियम 18 और 23 के साथ पठित उक्त अधिनियम धारा 9क की उपधारा (1) और (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अभिहित प्राधिकारी के पूर्वोक्त निष्कर्षों के आधार पर, अधोलिखित सारणी के स्तंभ (5) में वर्णित देश में उदगमित, उक्त सारणी के स्तंभ (7) की तत्स्थानी प्रविष्टि में वर्णित उत्पादक द्वारा उत्पादित, भारत में आयात किए गए, ऐसे मालों पर, जो कि उक्त सारणी के स्तंभ (2) की तत्स्थानी प्रविष्टि में वर्णित, उक्त अधिनियम की पहली अनुसूची के टैरिफ मद के अंतर्गत आते हैं, जिनका विवरण उक्त सारणी के स्तंभ (3) की तत्स्थानी प्रविष्टि में दिया गया है, और जिनकी विशिष्टता उक्त सारणी के स्तंभ (4) की तत्स्थानी प्रविष्टि में दी गई है, जब उनका निर्यात उक्त सारणी के स्तंभ (6) की तत्स्थानी प्रविष्टि में वर्णित देश से, उक्त सारणी के स्तंभ (8) की तत्स्थानी प्रविष्टि में वर्णित निर्यातक द्वारा किया जाए, जो कि उक्त सारणी के स्तंभ (11) की तत्स्थानी प्रविष्टि में वर्णित करेंसी और उक्त सारणी के स्तंभ (10) की तत्स्थानी प्रविष्टि में वर्णित प्रति मापन इकाई में व्यक्त, उक्त सारणी के स्तंभ (9) की तत्स्थानी प्रविष्टि में इंगित संदर्भ कीमत और संबद्ध माल अवतरण मूल्य के बराबर की राशि के समतुल्य दर पर प्रतिपाटन शुल्क अधिरोपित करती है।

क्रम सं०	टैरिफ मद	माल का विवरण	विशिष्टता	उदगम देश	निर्यातक देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क राशि	मापन इकाई	करेंसी
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)
1	5002 00 10	शहतूती कच्चा रेशम (बटा न हुआ)	2 ग्रेड और उससे कम	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	कोई	कोई	37.32	किलो ग्राम	अमरीकी डालर
2	5002 00 10	शहतूती कच्चा रेशम (बटा न हुआ)	2 ग्रेड और उससे कम	चीन जन.गण.	चीन जन.गण. से इतर अन्य देश	कोई	कोई	37.32	किलो ग्राम	अमरीकी डालर
3	5002 00 10	शहतूती कच्चा रेशम (बटा न हुआ)	2 ग्रेड और उससे कम	चीन जन.गण. से इतर अन्य देश	चीन जन.गण.	कोई	कोई	37.32	किलो ग्राम	अमरीकी डालर

2. भारत के राजपत्र की अधिसूचना का प्रभाव पांच वर्ष तक रहेगा (यदि उसका खंड, अधिकांत और संशोधन न किया जाये) और प्रतिपाटन शुल्क भारतीय करेंसी से संदत्त होगा।

स्पष्टीकरण: इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए,

(क) “अवतरण मूल्य” से ऐसा निर्धारणीय मूल्य अभिप्रेत है, जो सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) के अधीन निर्धारित किया गया हो और इसके अंतर्गत उक्त सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 3, धारा 3क, धारा 8ख, धारा 9 और धारा 9क के अधीन उद्ग्रहीत शुल्कों को छोड़कर, सभी सीमाशुल्क आते हैं;

(ख) प्रतिपाटन शुल्क की संगणना के प्रयोजनों के लिए लागू “विनिमय दर” वह दर होगी जो सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 14 के अधीन शक्तियों का प्रयोग करते हुए, समय-समय पर जारी की गई भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना में विनिर्दिष्ट की गई है और विनिमय दर के अवधारण के लिए सुसंगत तारीख उक्त सीमाशुल्क अधिनियम की धारा 46 के अधीन प्रवेश पत्र के प्रस्तुत करने की तारीख होगी और

(ग) शहतूती कच्चे रेशम (जो बटा हुआ नहीं है) की ग्रेडिंग अंतर्राष्ट्रीय शहतूत संघ द्वारा अनुमोदित अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृत ग्रेड्स के अनुसार होगी ।

[फा. सं. 354/224/2002-टीआरयू]

उन्मेष शरद वाघ, अवसर सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 6th January, 2009

No. 05/2009-Customs

G.S.R. 15(E).—Whereas, the designated authority vide notification No. 15/12/2007-DGAD, dated the 14th December, 2007, published in Part I, Section 1 of the Gazette of India, Extraordinary, dated the 14th December, 2007, had initiated review, in terms of sub-section (5) of section 9A of the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975) (hereinafter referred to as the said Act) and in pursuance of rule 23 of the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 (hereinafter referred to as the said rules), in the matter of continuation of anti-dumping duty on Mulberry raw silk (not thrown), 2A grade and below (hereinafter referred to as the subject goods), falling under tariff item 5002 00 10 of the said Act, originating in, or exported from the People's Republic of China (hereinafter referred to as the subject country), imposed *vide* notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No.106/2003-Customs, dated the 10th July, 2003, published in Part II, Section 3, Sub-section (i) of the Gazette of India, Extraordinary *vide* number G.S.R.537(E), dated the 10th July, 2003;

And whereas, the Central Government had extended the anti-dumping duty on the subject goods, originating in, or exported from, the subject country upto and inclusive of the 1st January, 2009, *vide* notification of the Government of India, in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No.01/ 2008-CUSTOMS, dated the 1st January, 2008, published in Part II, Section 3, Sub-section (i) of the Gazette of India, Extraordinary, *vide* number G.S.R.4 (E), dated the 1st January, 2008, published in Part II, Section 3, Sub-section (i) of the Gazette of India, Extraordinary, dated the 1st January, 2008;

And whereas, in the matter of review of anti-dumping on import of the subject goods, originating in, or exported from, the subject country, the designated authority *vide* its final findings No. 15/12/2007-DGAD, dated the 11th December, 2008, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part I, Section 1, dated the 11th December, 2008, had come to the conclusion that-

- (a) subject goods originating in or exported from the subject country had been exported to India below their normal value, resulting in dumping; and
- (b) in the event of discontinuation of anti-dumping duties on the subject goods from the subject country, dumping was likely to continue from the subject country leading to the continuation and recurrence of injury to the domestic industry;

and had recommended continued imposition of definitive anti-dumping duty against the subject goods, originating in, or exported from, the subject country in order to remove injury to the domestic industry;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (1) and (5) of section 9A of the said Act, read with rule 23 of the said rules, the Central Government, on the basis of the aforesaid final findings of the designated authority, hereby imposes on the goods, the description of which is specified in column (3) of the Table below, falling under tariff item of the First Schedule to the said Act as specified in the corresponding entry in column (2), the specification of which is specified in column (4), originating in the country as specified in the corresponding entry in column (5), and produced by the producer as specified in the corresponding entry in column (7), when exported from the country as specified in the corresponding entry in column (6), by the exporter as specified in the corresponding entry in column (8), and imported into India, an anti-dumping duty at a rate which is equivalent to the difference between the amount as specified in the corresponding entry in column (9), in the currency as specified in the corresponding entry in column (11) and per unit of measurement as specified in the corresponding entry in column (10), of the said Table, and the landed value of such imported goods in like currency per like unit of measurement.

Table

S. No	Tariff item	Description of goods	Specification	Country of origin	Country of export	Producer	Exporter	Amount	Unit of measurement	Currency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)
1.	5002 00 10	Mulberry raw silk (not thrown)	2A grade and below	People's Republic of China	People's Republic of China	Any	Any	37.32	kilogram	US dollar
2.	5002 00 10	Mulberry raw silk (not thrown)	2A grade and below	People's Republic of China	Any country other than People's Republic of China	Any	Any	37.32	kilogram	US dollar
3.	5002 00 10	Mulberry raw silk (not thrown)	2A grade and below	Any country other than People's Republic of China	People's Republic of China	Any	Any	37.32	kilogram	US dollar

2. The anti-dumping duty imposed under this notification shall be effective for a period of five years (unless revoked, superseded or amended earlier) and shall be paid in Indian currency.

Explanation. - For the purposes of this notification, -

(a) "landed value" means the assessable value as determined under the Customs Act, 1962 (52 of 1962) and includes all duties of customs except duties levied under sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the said Customs Tariff Act;

(b) "rate of exchange" applicable for the purposes of calculation of such anti-dumping duty shall be the rate which is specified in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), issued from time to time, in exercise

of the powers conferred by section 14 of the Customs Act 1962 (52 of 1962) and the relevant date for the determination of the rate of exchange shall be the date of presentation of the bill of entry under section 46 of the said Customs Act; and

(c) the grading of Mulberry raw silk (not thrown) shall be as per the internationally accepted grades approved by the International Silk Association.

[F. No. 354/224/2002-TRU]

UNMESH SHARAD WAGH, Under Secy.